Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding closing of Doordarshan kendras Channel and need to provide latest technology instruments to Doordarshan.

श्रीमती शताब्दी राय (बनर्जी) (बीरभूम):सर, मैं दूरदर्शन विषय पर बोलना चाहती हूं । जिस दूरदर्शन के हम लोग नॉस्टैल्जिक हैं । बचपन में दूरदर्शन की उस ट्यून से सुबह होती थी और शाम होती थी । मेरे पास बोलपुर डिस्ट्रिक्ट से कुछ लोग आए थे । वह बता रहे थे कि पूरे इंडिया में 411 दूरदर्शन केन्द्र हैं, वे बंद होते जा रहे हैं । आधे बंद हो चुके हैं और 31 मार्च तक सब बंद हो जाएँगे । मुझे लगता है कि वे लोग कहाँ जाएँगे? उनकी सिर्फ सैलरी की बात नहीं है । वहां पर क्रिएटिव लोग होते हैं और क्रिएटिविटी भी होती है । जब आप एक चैनल से दूसरे चैनल पर जाकर खुद देखेंगे, तो प्राइवेट चैनल्स इतने ग्लैमरस होते हैं और दूरदर्शन इतना कंजर्वेटिव मैन्टेलिटी, रूल्स एंड रेगुलेशन और नई टेक्नोलॉजी का इंस्ट्रूमेंट नहीं होने से वह पीछे जा रहा है । अगर यह बंद हो जाएगा तो मुझे नहीं, बल्कि पूरे देश को यह जानना है कि जो इंडस्ट्री, सेक्टर और प्रोडक्ट सरकार का होता है, वह लॉस में जाता है । जब वह प्राइवेटाइज होता है तो वह क्यों प्रॉफिट में जाता है? इसका राज क्या है? अगर यह बताएंगे तो मुझे लगता है कि देश का भी उपकार होगा । थैंक यू ।

माननीय अध्यक्ष : श्री संगम लाल गुप्ता – उपस्थित नहीं ।

श्री रवि किशन ।